



# B.C.S. GOVT. P.G. COLLEGE DHAMTARI

Affiliated to Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh

**NAAC ACCREDITED 'B+'**

Website-www.bcspgcdmt.com, Email- pgcollege.dhamtari@gmail.com



## One Day National Webinar

*On*

**"Reflections on the Effectiveness of the Startup India Scheme for Entrepreneurship Development in India"**

**Date: 15-07-2022, Time: 11.00A.M. Onwards**



**Patron**

**Dr. Shreedevi Choubey**  
(Principal)



**Convener**

**Dr. Mandeep Khalsa**  
Prof. & H.O.D. Economics  
Mob. No. 9826408780

Organizing Secretary



**Dr. Tameshwari Sahu**  
Asstt. Prof. of Economics  
Mob.No. 626 583 3734

Organizing Secretary



**Dr. Vedwati Dewangan**  
Asstt. Prof. of Economics  
Mob. No 626 872 2686

Review of the Webinar



**Prof. P.C. Choudhury**  
Asstt. Prof. of English  
Mob. No 9893833216

## Organised By

### DEPARTMENT OF ECONOMICS

**About our college-** Babu Chhotelal Shrivastav Government Post Graduate College, Dhamtari is one of the old colleges in the region. The college started in the year 1963. More than 3500 students study in the college from various corners of the state. Dhamtari is a district place and is the gateway of Bastar, the land of precious tribes. This institution is a recognized study centre of Indira Gandhi National Open University (IGNOU) and Study centre of Pt. Sundar Lal Sharma Open University, Bilaspur (C.G.). This college is examination centre of IGNOU as well as Pt. Sundar Lal Sharma Open University, Bilaspur (C.G.). The motto of the college is "Ritit Gyanan Mukte" (ॠतित गॠनान मुक्ते) "There is no salvation without acquiring knowledge" The college has been registered under the section 12(b) and 2(f) - UGC act 1956 from 1984.

**About the Department** - Economics Department came into existence with U.G. courses in the year 1963. Post Graduation course started on 01-07-1972. Ph.D. research centre was established in 2010-11. 09 Scholars have been awarded Doctoral Degree and 03 students are registered for Ph.D. degree. 03 fulltime faculty members are serving the department.

An action plan for Startup India was launched on 16 January 2016. The main objective of this initiative is to create a strong ecosystem to promote innovation and start-ups in the country and to promote sustainable economic development and generate large scale employment opportunities.

#### Objectives of webinar-

- To review the prospects and challenges of economic development through the scheme, highlighting the key features of the scheme.
- Developing entrepreneurship through Startup India scheme and motivating students for self-employment.

#### Sub Theme of Webinar-

- To discuss the main features of startup India Scheme
- Prospects and Challenges of Women Entrepreneurship Development through Startup India Scheme.
- Role of Banks in Startup India Scheme.
- Critical Evaluation of the success of the Startup India Scheme in India and Chhattisgarh State.

## Our Distinguished Speakers :-

#### Dr. Ravindra Brahme

Dean of Social Science, Head of the Department of Economics UTD, Pt. Ravishankar Shankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh. Joint Secretary, Indian Economic Association



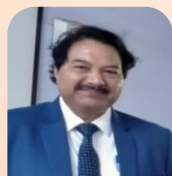
#### Dr. Satyendra Kishor Mishra

H.O.D., School of studies in Economics, Vikram University, Ujjain, M.P.



#### Dr. C.B. Singh

HoD, Institute of Economics & Finance Dean of Arts Faculty, Bundelkhand University, Jhansi, U.P.



#### Dr. Abhaya Joglekar

Dr. Abhaya Joglekar  
Prof. of Home Science  
Govt. D.B. P.G. Girls College, Raipur



## Guidelines for Paper Presentation:-

- Only selected papers will be allowed for online presentation
- The link to join the webinar will be sent to you in the email. id
- Five minutes will be given for presentation
- All Academicians, research scholars and students have to submit abstract not more than, 300 words on or before 18-07-2020
- Submit your abstract and research paper before 18-07-2020
- E-certificate will be issued to all the all participants who will attend the webinar and fill the feedback from afterwards.

## Technical Support

- Miss. Rashmi Kujur, Assistant Professor of I.T.
- Dr. Seema Sahu, Assistant Professor of I.T.
- Mr. Rajesh Chaurasiya, Assistant Professor of I.T.
- Mr. Harpreet Singh Anand, Assistant Professor of I.T.
- Mr. Bhupendra Sahu, Assistant Professor of I.T.

Register before 14 July 2022

Registration Link :- <https://forms.gle/UrAXAbgC4jvRoc5E9>

## एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

### विषय – **Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for Entrepreneurship Development in India**”

बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 15.07.2022 को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय था **Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for Entrepreneurship Development in India**” भारत में उद्यमिता विकास हेतु स्टार्टअप इण्डिया योजना की प्रभावशीलता का समीक्षात्मक, विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे के स्वागत भाषण के साथ हुआ, देश के विभिन्न भागों से वेबीनार में सम्मिलित विषय विशेषज्ञ एवं विद्वान जनों का स्वागत किया तथा युवाओं को स्वरोजगार की ओर करने हेतु वेबीनार के आयोजन की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

- विभागाध्यक्ष डॉ. मनदीप खालसा ने वेबीनार के विषय स्टार्टअप इण्डिया एवं उद्यमशीलता के संबंध में संक्षिप्त परिचय दिया।
- कार्यक्रम का संचालन किया डॉ. तामेश्वरी साहू सहा. प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने सभी विषय विशेषज्ञ वक्ताओं के अकादमिक जीवन का संक्षिप्त परिचय दिया।
- वेबीनार के प्रथम वक्ता (विषय विशेषज्ञ) डॉ. प्रो. रवीन्द्र ब्रह्मे डीन सोशल साइंस एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र अध्ययन शाला पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर में इनोवेटिव आइडिया का स्वागत करते हुए कहा कि कोरोना काल उपरांत स्टार्टअप स्कीम ज्यादा प्रभावशील रही, डिजिटलीकरण ने स्टार्टअप स्कीम को ज्यादा आसान बना दिया, आपने बताया कि युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी इस योजना में गतवर्ष लगभग 7 हजार स्टार्टअप हुए जिसमें 45 प्रतिशत महिलाओं के नाम पर स्टार्टअप प्रारंभ किया गया वर्तमान में विश्व संदर्भ में भारत स्टार्टअप में तृतीय स्थान पर है। हमारे देश में लगभग 700 इनोवेटिव सेंटर संचालित है। 2016 से 2021 तक इन्क्यूबेशन सेंटर में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो भारत की आवश्यकता से कम है।
- द्वितीय वक्ता प्रो. सी.बी. सिंग विभागाध्यक्ष, बैंकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त अध्ययनशाला बुंदेलखण्ड वि.वि. झांसी उत्तर प्रदेश, ने महाविद्यालय के वेबीनार आयोजन की बधाई देते हुए अपना वक्तव्य प्रारंभ किया, उन्होंने कहा कि 2016–17 में 726 स्टार्टअप थे। 2021–22 में 65861 स्टार्टअप को प्रारंभ किया गया— स्टार्टअप योजना के लाभों जैसे करों में छूट, वित्तीय पोषण, स्वप्रमाणन पर्यावरण एवं श्रम कानून के परिपालन की दशा, के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की यूनिकार्न एवं डेकाकॉन जैसे स्टार्टअप एवं अवस्थाओं की चर्चा की स्टार्टअप के असफल होने का एक बड़ा कारण उत्पादों के लिए अच्छे बाजार की कमी को बताया स्टार्टअप के असफल

होने का 34 प्रतिशत कारण मार्केटिंग फेलियर है। महिला उद्यमिता विकास के लिए योजना अंतर्गत प्रावधानों की जानकारी दी गयी।

➤ तृतीय वक्ता (विषय विशेषज्ञ) डॉ. एस.के.मिश्रा एसोसियेट प्रोफेसर विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं दर्शनशास्त्र अध्ययनशाला विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन म.प्र. ने इतिहास में भारत की व्यवसायिक स्थिति की आज से तुलना करते हुए खेद वक्त किया कि 16 वी शताब्दी में भारत का विश्व व्यापार में 50 प्रतिशत भागीदारी थी, आज केवल 1-1.5 प्रतिशत तक की सीमित हो गयी है। भारतीय प्रतिभा एवं श्रमशक्ति का उपयोग भारत में नहीं हो रहा है। इसका पलायन विकसित देशों की ओर हो रहा है। विश्व व्यापार में निम्न भागीदारी का प्रमुख कारण पूंजी का अभाव एवं उद्यमशीलता की कमी है। उन्होंने टीयर 01 एवं टीयर 02 शहरों में स्टार्टअप की स्थिति की समीक्षा की उत्पादकता एवं निर्यात में बढ़ोत्तर कर भारत की विश्व व्यापार में भागीदारी बढ़ाया जा सकता है।

➤ चतुर्थ वक्ता डॉ. अभ्या जोगलेकर प्रो. होमसाइंस स्वशासी शास. स्नातकोत्तर दू.ब. महिला महाविद्यालय रायपुर ने स्टार्टअप मार्केटिंग को भिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया, अपने महाविद्यालय में इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से छात्राओं को किस प्रकार सहायता एवं परामर्श दी जाती की विस्तृत चर्चा की। स्टार्ट योजना के विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए व्यवसाय कैसे संचालित किया जा सकता की जानकारी इन्क्यूबेशन सेंटर में दी जाती है। छोटें से स्टार्टअप से ओयो (oyo) जैसी बड़ी कम्पनियां कैसे बड़ी की जा सकती है। इसकी प्रेरणा छात्र-छात्राओं को दिया, स्वरोजगार की पहल कैसे कर सकते हैं। इसकी जानकारी दी, विषय विशेषज्ञों के श्रोताओं के पूछे गये प्रश्नों का तार्किक जवाब दिया तथा जिज्ञासा को शांत किया।

- वेबीनार में दिये गये व्याख्यान का समीक्षात्मक विश्लेषण प्रो. पी.सी. चौधरी (सहा. प्रा. अंग्रेजी) सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्राध्यापकों ने तकनीकी सहयोग दिया तथा

डॉ. वेदवती देवांगन सहा.प्रा. अर्थशास्त्र ने सभी विषय विशेषज्ञों सहभागियों को आभार एवं धन्यवाद प्रेषित किया। कुल 169 लोग वेबिनार में सहभागी बने, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे, डॉ. अनिता राजपुरिया, डॉ. प्रभा वेरुलकर, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. ग्रेस कुजुर, डॉ. हेमवती ठाकुर, श्रीमती सरोज प्रसाद, डॉ. अमरसिंह साहू, श्री अमरसिंह साहू, डॉ. सरला द्विवेदी, डॉ. सपना ताम्रकर सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों के सफल आयोजन के लिए अपना अमूल्य सहयोग एवं शुभकामनाएं दी।



# भारतीय प्रतिभा का नहीं हो रहा है देश में उपयोग

**शासकीय पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन**

धमतरी. पीजी कॉलेज धमतरी के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय रिफ्लेक्शन ऑन द इफेक्टिवनेस ऑफ द स्टार्टअप इंडिया स्कीम फॉर इंटरप्रेनरशिप डेवेलपमेंट इन इंडिया था। भारत में उद्यमिता विकास हेतु स्टार्टअप इंडिया योजना की प्रभावशीलता का समीक्षात्मक, विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे के स्वागत भाषण के साथ हुआ, विभागाध्यक्ष डॉ. मनदीप खालसा ने वेबीनार के विषय का संक्षिप्त परिचय दिया तथा कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. तामेश्वरी साहू सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने सभी

विषय विशेषज्ञ वक्ताओं के अकादमिक जीवन का संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ. प्रो. रवीन्द्र ब्रह्म डीन सोशल साइंस एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र ने कहा कि कोरोना काल उपरांत स्टार्टअप स्कीम ज्यादा प्रभावशील रही, डिजिटलीकरण ने स्टार्टअप स्कीम को ज्यादा आसान बना दिया, उन्होंने बताया कि युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी इस योजना में गत वर्ष लगभग 7 हजार स्टार्टअप हुए जिसमें 45 प्रतिशत महिलाओं के नाम पर स्टार्टअप प्रारंभ किया गया।

वर्तमान में विश्व संदर्भ में भारत स्टार्टअप में तृतीय स्थान पर है। प्रो. सीबी सिंग विभागाध्यक्ष, बैंकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त अध्ययनशाला बुंदेलखण्ड विवि झांसी उत्तर प्रदेश ने 2016-17 में 726 स्टार्टअप थे। 2021-22 में 65861 स्टार्टअप को



प्रारंभ किया गया- स्टार्टअप योजना के लाभों जैसे करों में छूट, वित्तीय पोषण, स्वप्रमाणन पर्यावरण एवं श्रम कानून के परिपालन की दशा, के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की। डॉ. एसकेमिश्रा एसोसियेट प्रोफेसर विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं दर्शनशास्त्र अध्ययन शाला विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन मप्र ने इतिहास में भारत की व्यवसायिक स्थिति की आज से तुलना करते हुए खेद व्यक्त किया कि 16 वीं शताब्दी में भारत का विश्व व्यापार में 50 प्रतिशत भागीदारी थी,

आज केवल 1-1.5 प्रतिशत तक की सीमित हो गयी है। भारतीय प्रतिभा एवं श्रमशक्ति का उपयोग भारत में नहीं हो रहा है, इसका पलायन विकसित देशों की ओर हो रहा है। डॉ. अभ्या जोगलेकर प्रो. होमसाइंस स्वशासी शासकीय स्नातकोत्तर दु.ब. महिला महाविद्यालय रायपुर ने स्टार्टअप मार्केटिंग को भिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। वेबीनार में दिये गये का स्थान का समीक्षात्मक विश्लेषण प्रो. पीसी चौधरी सहायक ने किया। डॉ. वेदवती देवांगन सहायक प्राध्यापक ने आभार व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे, डॉ. अनिता राजपुरिया, डॉ. प्रभा वेरुलकर, डॉ. एके सिंह, डॉ. ग्रेस कुजुर, डॉ. हेमवती ठाकुर, सरोज प्रसाद, डॉ. अमरसिंह साहू, अमरसिंह साहू, डॉ. सरला द्विवेदी, डॉ. सपना ताम्रकर ने आयोजन में सहयोग किया।

## बीसीएस कॉलेज में कार्यक्रम • भारत में उद्यमिता विकास के लिए स्टार्टअप इंडिया योजना का हुआ मूल्यांकन स्टार्टअप विषय पर कराया ऑनलाइन सेमीनार

भारत न्यूज | धमतरी

बाबू छोटेलाल पीजी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग ने शुक्रवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार किया। इसका विषय 'भारत में उद्यमिता विकास के लिए स्टार्टअप इंडिया योजना की प्रभावशीलता का समीक्षात्मक, विश्लेषण एवं मूल्यांकन' था। इस विषय पर देशभर से जुड़े विषय विशेषज्ञों ने स्टार्टअप की जरूरत के संबंध में अपने विचार रखे। बीते एक साल में इस क्षेत्र में हुए कामों को समीक्षा करते हुए सुझाव भी दिए।

प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे ने वेबीनार शुरुआत करते हुए देश के विभिन्न भागों से वेबीनार में शामिल



धमतरी। ऑनलाइन सेमीनार में पीजी कॉलेज की प्रोफेसर शामिल हुई।

विषय विशेषज्ञों एवं विद्वानों का स्वागत किया। युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के लिए वेबीनार को सार्थक बताया। अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मनदीप खालसा ने वेबीनार के विषय स्टार्टअप इंडिया एवं

उद्यमशीलता के संबंध में संक्षिप्त परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन किया डॉ. तामेश्वरी साहू सहा. प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने करते हुए विशेषज्ञ वक्ताओं के अकादमिक जीवन का परिचय दिया।

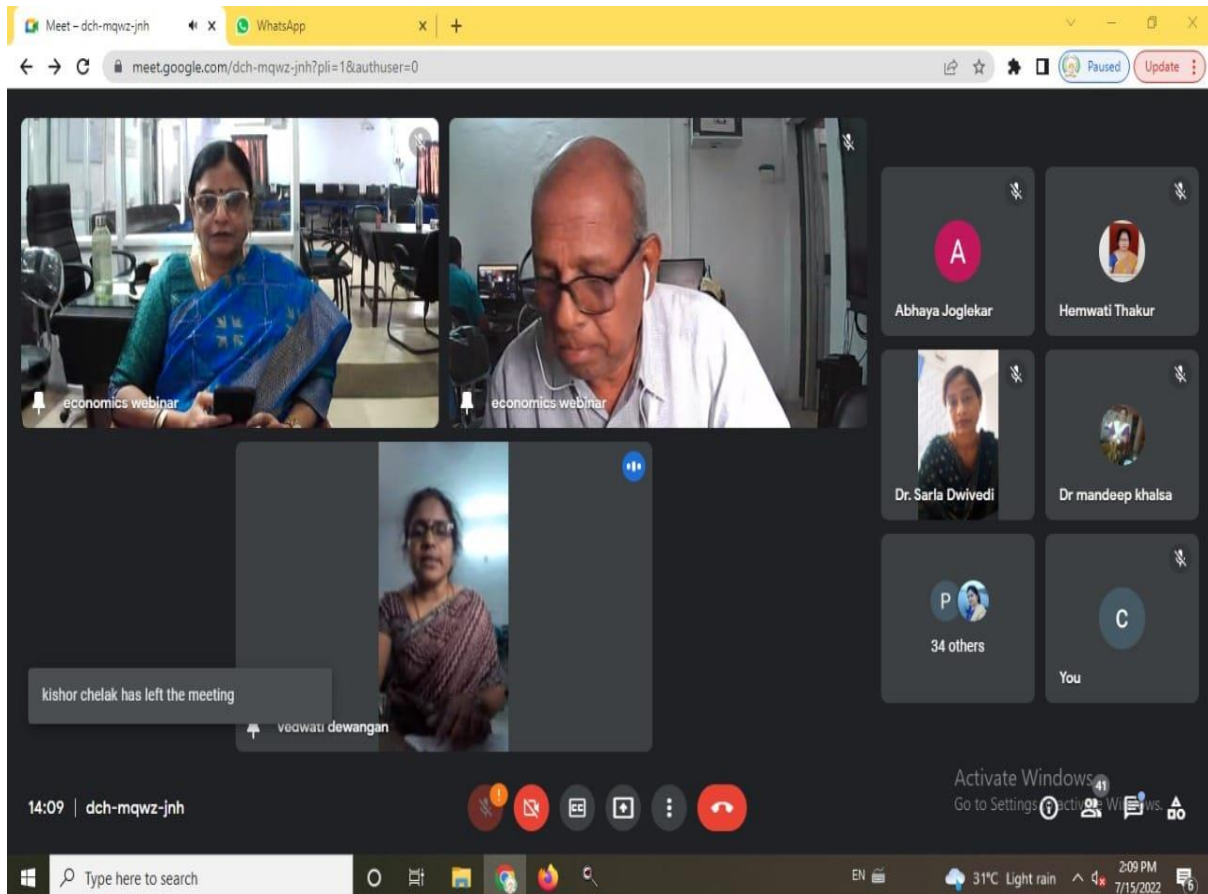
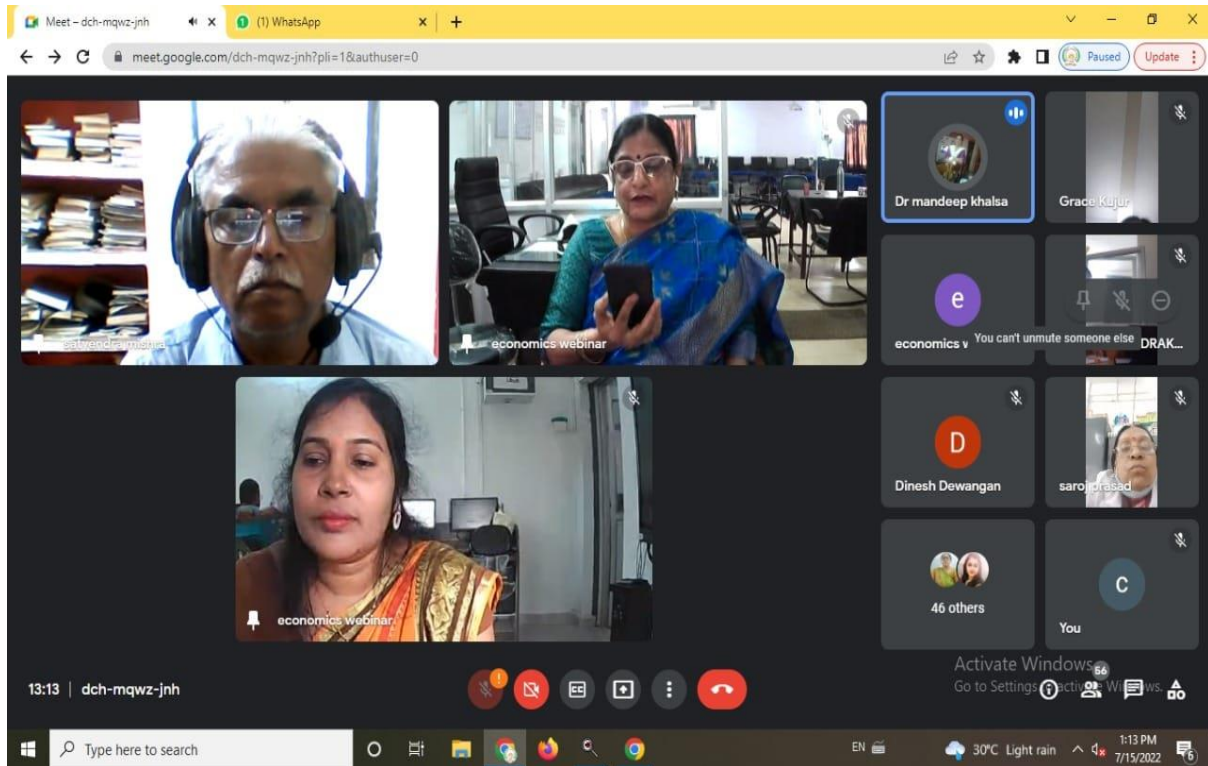
असफलता के लिए चेताया

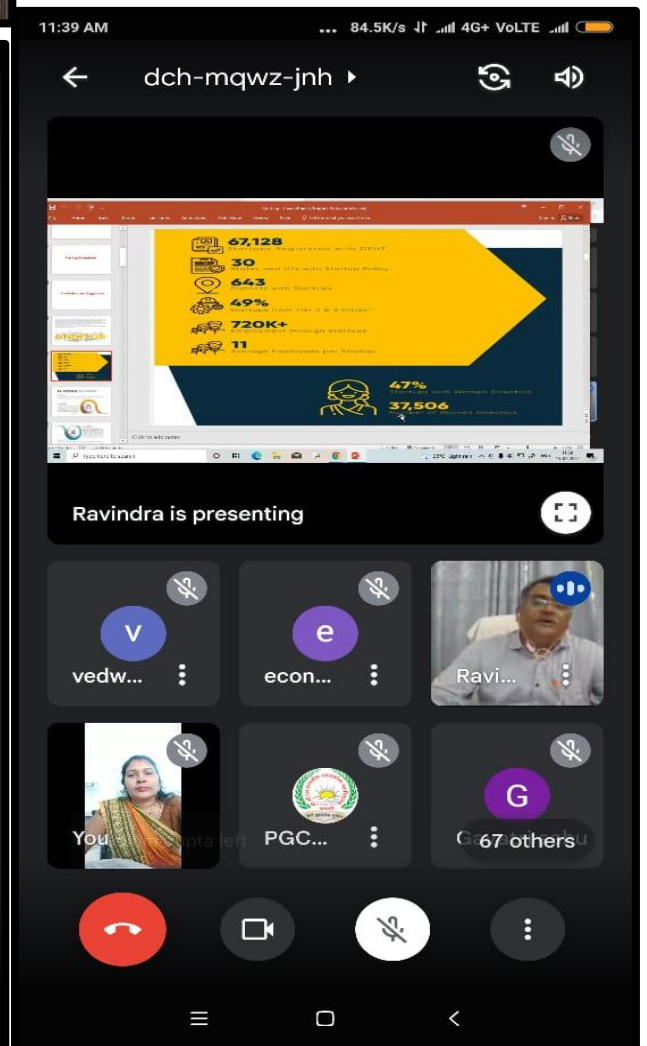
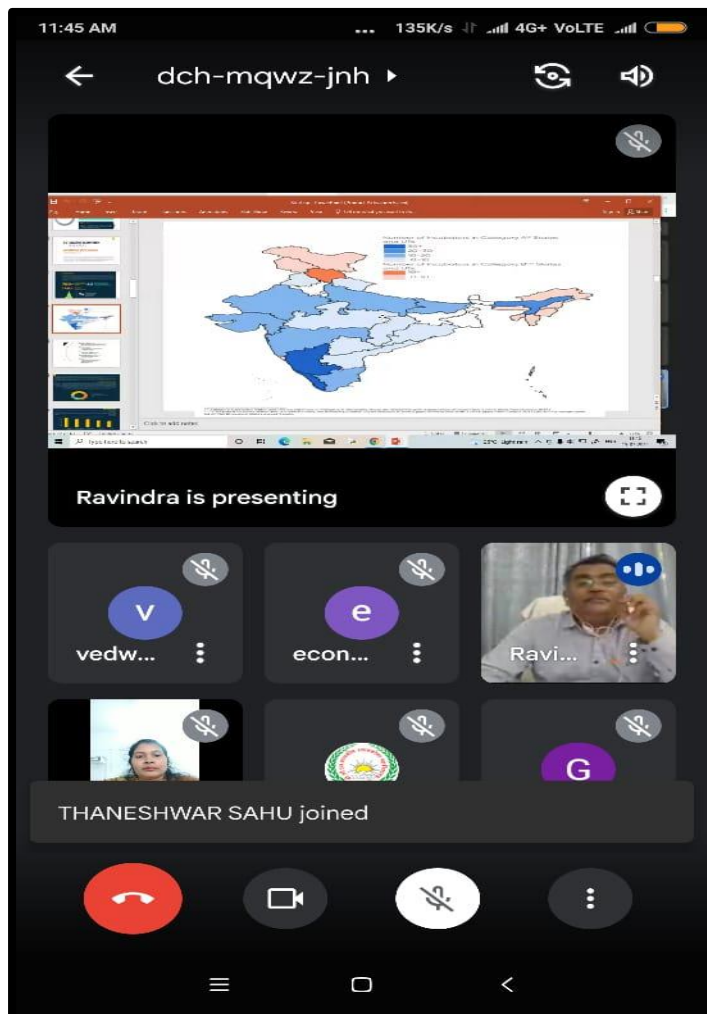
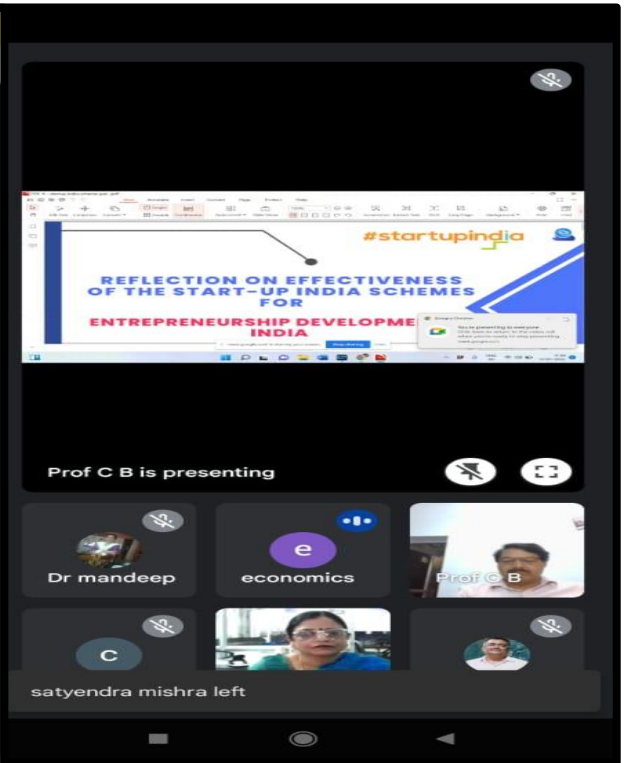
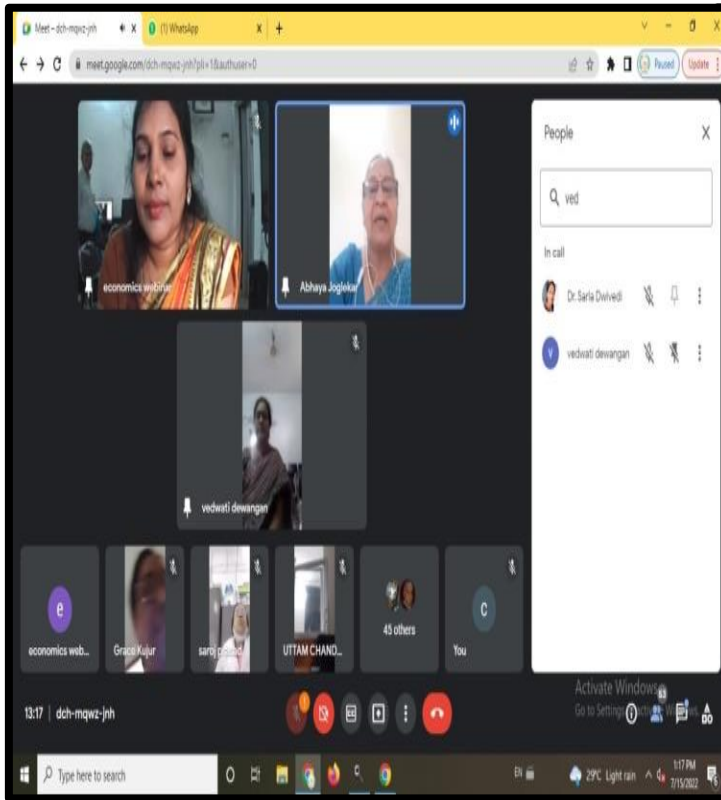
प्रोफेसर सीबी सिंग विभागाध्यक्ष, बैंकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त अध्ययनशाला बुंदेलखण्ड विवि झांसी उत्तर प्रदेश ने महाविद्यालय के वेबीनार में बताया कि 2016-17 में 726 स्टार्टअप थे। 2021-22 में 65861 स्टार्टअप को शुरू किया गया। स्टार्टअप योजना के लाभों जैसे करों में छूट, वित्तीय पोषण, स्वप्रमाणन पर्यावरण एवं श्रम कानून के परिपालन की दशा के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की। यूनिवर्सिटी एवं डेकनॉन जैसे स्टार्टअप एवं अवस्थाओं की चर्चा की। स्टार्टअप के असफल होने का एक बड़ा कारण उत्पादों के लिए अच्छे बाजार और 34 प्रतिशत कारण मार्केटिंग असफलता है।

छोटे से स्टार्टअप से आगे बढ़ा जा सकता है

डॉ. एसकेमिश्रा एसोसियेट प्रोफेसर विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं दर्शनशास्त्र अध्ययनशाला विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन ने इतिहास में भारत की व्यवसायिक स्थिति की तुलना करते जानकारी दी। डॉ. अभ्या जोगलेकर प्रोफेसर होमसाइंस स्वशासी स्नातकोत्तर कॉलेज रायपुर ने स्टार्टअप मार्केटिंग को भिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। कॉलेज में इक्यूलेशन सेंटर से छात्राओं को सहायता एवं परामर्श और छोटे से स्टार्टअप से ओपेरो जैसी बड़ी कम्पनियां बनना बताया।







## Feedback Analysis

**Total number of participants was 169-**

### 1. DESIGNATION

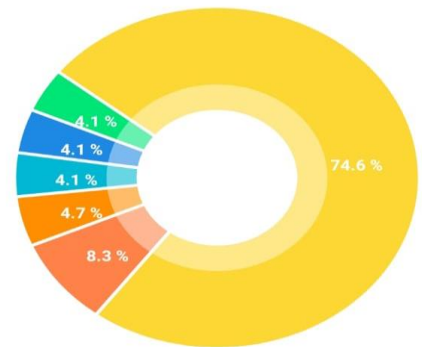
#### RESULTS

Options	%	Count
PROFESSOR	4.14	7
ASSOCIATE PROFESSOR	4.14	7
ASSISTANT PROFESSOR	74.56	126
RESEARCH SCHOLAR	8.28	14
STUDENT	4.73	8
OTHER	4.14	7

### 1. DESIGNATION

#### PIE CHART

- PROFESSOR - 7
- ASSOCIATE PROFESSOR - 7
- ASSISTANT PROFESSOR - 126
- RESEARCH SCHOLAR - 14
- STUDENT - 8
- OTHER - 7



### 8. How was the Webinar?

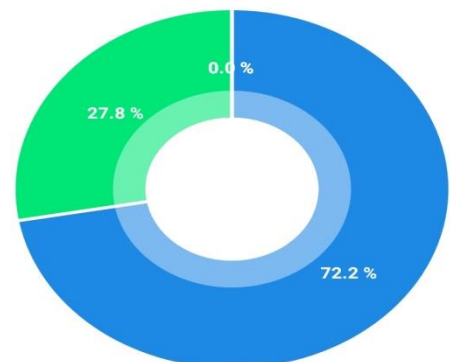
#### RESULTS

Options	%	Count
Excellent	72.19	122
Good	27.81	47
Fair	0.00	0
Poor	0.00	0

### 8. How was the Webinar?

#### PIE CHART

- Excellent - 122
- Good - 47
- Fair - 0
- Poor - 0





7. How do you rate the relevancy of the theme of the webinar?

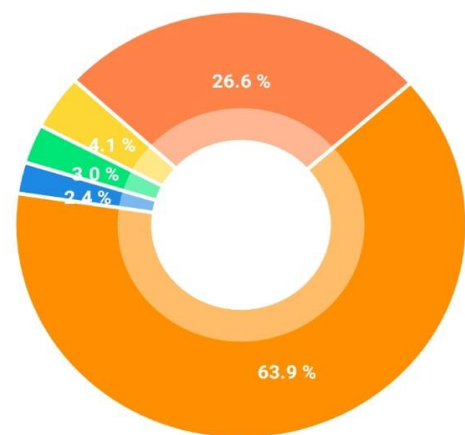
### RESULTS

Options	%	Count
1	2.37	4
2	2.96	5
3	4.14	7
4	26.63	45
5	63.91	108

7. How do you rate the relevancy of the theme of the webinar?

PIE CHART

- 1 - 4
- 2 - 5
- 3 - 7
- 4 - 45
- 5 - 108



# CERTIFICATE of Appreciation



This Certificate is presented to

**DR. RAVINDRA BRAHME**

Dean of Social Science, Head of the Department of Economics UTD,  
Pt. Ravishankar Shankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh.

as

**Resource Person**

For sharing his valuable knowledge in **National Level Webinar** on  
"Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for Entrepreneurship  
Development in India" conducted on  
15th July 2022 in B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)

**DR. MANDEEP KHALSA**  
Convener  
B.C.S. Govt. P.G. College  
Dhamtari (C.G.)

**DR. SHREDEVI CHOUBEY**  
Principal  
B.C.S. Govt. P.G. College  
Dhamtari (C.G.)

15 JULY 2022

# CERTIFICATE of Appreciation



This Certificate is presented to

**DR. SATYENDRA KISHOR MISHRA**

H.O.D., School of studies in Economics,  
Vikram University, Ujjain, M.P.

as

**Resource Person**

For sharing her valuable knowledge in **National Level Webinar** on  
"Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for  
Entrepreneurship Development in India" conducted on  
15th July 2022 in B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)

**DR. MANDEEP KHALSA**  
Convener  
B.C.S. Govt. P.G. College  
Dhamtari (C.G.)

**DR. SHREDEVI CHOUBEY**  
Principal  
B.C.S. Govt. P.G. College  
Dhamtari (C.G.)

15 JULY 2022

# CERTIFICATE of Appreciation



This Certificate is presented to

**DR. ABHAYA JOGLEKAR**

Prof. of Home Science  
Govt. D.B. P.G. Girls College, Raipur

as

**Resource Person**

For sharing her valuable knowledge in **National Level Webinar** on  
"Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for  
Entrepreneurship Development in India" conducted on  
15th July 2022 in B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)

**DR. MANDEEP KHALSA**  
Convener  
B.C.S. Govt. P.G. College  
Dhamtari (C.G.)

**DR. SHREDEVI CHOUBEY**  
Principal  
B.C.S. Govt. P.G. College  
Dhamtari (C.G.)

15 JULY 2022

# CERTIFICATE of Appreciation



This Certificate is presented to

**DR. C.B. SINGH**

HoD, Institute of Economics & Finance  
Dean of Arts Faculty,  
Bundelkhand University, Jhansi, U.P.

as

**Resource Person**

For sharing his valuable knowledge in **National Level Webinar** on  
"Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for Entrepreneurship  
Development in India" conducted on 15th July 2022 in  
B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)

**DR. MANDEEP KHALSA**  
Convener  
B.C.S. Govt. P.G. College  
Dhamtari (C.G.)

**DR. SHREDEVI CHOUBEY**  
Principal  
B.C.S. Govt. P.G. College  
Dhamtari (C.G.)

15 JULY 2022

# NATIONAL WEBINAR

ORGANIZED BY -

DEPARTMENT OF ECONOMICS

B.C.S. GOVT. P.G. COLLEGE, DHAMTARI (C.G.)

Affiliated to Pt. Ravi Shankar Shukla University, Raipur (C.G.)

## CERTIFICATE

### OF PARTICIPATION

This is to Certify that Miss./Mrs./Mr./Dr. Dr. TAMESWARI SAHU  
Designation ASSISTANT PROFESSOR from Institution B.C.S Govt.P.G. College Dhamtari has  
actively participated in National Level Webinar on "Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for  
Entrepreneurship Development in India" on **15th July 2022**.

  
**DR. MANDEEP KHALSA**  
Convener  
B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)

  
**DR. SHREDEVI CHOUBEY**  
Principal  
B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)



# NATIONAL WEBINAR

ORGANIZED BY -

DEPARTMENT OF ECONOMICS

B.C.S. GOVT. P.G. COLLEGE, DHAMTARI (C.G.)

Affiliated to Pt. Ravi Shankar Shukla University, Raipur (C.G.)

## CERTIFICATE

### OF PARTICIPATION

This is to Certify that Miss./Mrs./Mr./Dr. Dr. Neelam Gupta  
Designation ASSISTANT PROFESSOR from Institution Dr. K. C. B. Govt. PG College Bhillai 3 has  
actively participated in National Level Webinar on "Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for  
Entrepreneurship Development in India" on **15th July 2022**.

  
**DR. MANDEEP KHALSA**  
Convener  
B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)

  
**DR. SHREDEVI CHOUBEY**  
Principal  
B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)



# NATIONAL WEBINAR

ORGANIZED BY -

DEPARTMENT OF ECONOMICS

B.C.S. GOVT. P.G. COLLEGE, DHAMTARI (C.G.)

Affiliated to Pt. Ravi Shankar Shukla University, Raipur (C.G.)

## CERTIFICATE

### OF PARTICIPATION

This is to Certify that Miss./Mrs./Mr./Dr. ravin kumar  
Designation STUDENT from Institution Pandit ravi shankar sukal university has  
actively participated in National Level Webinar on "Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for  
Entrepreneurship Development in India" on **15th July 2022**.

  
**DR. MANDEEP KHALSA**  
Convener  
B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)

  
**DR. SHREDEVI CHOUBEY**  
Principal  
B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)



# NATIONAL WEBINAR

ORGANIZED BY -

DEPARTMENT OF ECONOMICS

B.C.S. GOVT. P.G. COLLEGE, DHAMTARI (C.G.)

Affiliated to Pt. Ravi Shankar Shukla University, Raipur (C.G.)

## CERTIFICATE

### OF PARTICIPATION

This is to Certify that Miss./Mrs./Mr./Dr. POOJA YADAV  
Designation RESEARCH SCHOLAR from Institution Pt. Ravishanker Shukla University, Raipur has  
actively participated in National Level Webinar on "Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for  
Entrepreneurship Development in India" on **15th July 2022**.

  
**DR. MANDEEP KHALSA**  
Convener  
B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)

  
**DR. SHREDEVI CHOUBEY**  
Principal  
B.C.S. Govt. P.G. College, Dhamtari (C.G.)

